खेल रचावियो रे दाता कुम्भकारी बण जाय

खेल रचावियो रे दाता,
कुम्भकारी बण जाय,
कुम्भकारी बण जाय दाता,
कुम्भकारी बण जाय।bd।

माटी रो मटकों महल बणायो,
ब्रह्मा जी करतार,
हरि सुदर्शन चक्कर लाया,
काटन दी अंगरार।bd।

कलम कुम्हारी लेय शारदा,
मांड़े करमा रेख,
लक्ष्मी नारायण उवेरण कर,
सिणगारियों महल।bd।

खड्ग आवड़ो सती श्रीयादे,
अग्नि मेली माय,
काचो पाको देखे शंकर,
दे कडकोलिया मार।bd।

किशना जी का शब्दां ऊपर,
'रतन' ध्यान लगावे,
गुरु चरणां में सिश नमाकर,
सत्संग में सुणावें।bd।

खेल रचावियो रे दाता,
कुम्भकारी बण जाय,
कुम्भकारी बण जाय दाता,
कुम्भकारी बण जाय।bd।

गायक – पंडित रतनलाल प्रजापति।
निर्देशक – किशनलाल जी प्रजापत।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com